

हमारे प्रॉडक्ट्स महँगे नहीं
आजकल लोगों को
सेहत सस्ती लगती है



आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIATM
Pavitra

ORDER NOW:

शरबती सुपीरियर आटा । देशी चक्की आटा । सूजी । दलिया । बेसन । शरबती गेहूँ । देशी गेहूँ
लाकाडोंग हल्दी पाउडर । मिर्च पाउडर । धनिया पाउडर । जीरा (साबुत) । मसूर दाल । उड़द दाल (छिलका)
उड़द दाल । मूंग दाल । काजू । किशमिश । कैलिफोर्निया बादाम । मामरा बादाम । पिस्ता । अखरोट

COMING SOON:

चावल । कुकिंग ऑयल । खड़े मसाले । चाय

ORDER ON
WEBSITE



ORDER ON
WHATSAPP



ORDER ON
APP



एक्सप्रेस डिलीवरी सिर्फ एक कॉल पर

1800 120 2727

T&C Apply

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। —शुक्रनीति

त्योहारी सीज़न में उपभोक्ताओं ने की जमकर खरीदारी

इस वर्ष दिवाली ने देशभर में व्यापार की दुनिया में नया रिकार्ड बनाया है। जीएसटी कटौती के चलते दिवाली सहित त्योहारी सीज़न में उपभोक्ताओं ने जमकर खरीदारी की। उपभोक्ताओं के लिए यह त्योहार खुशियों भरा रहा। कीमतों में स्थिरता और त्योहारी उत्साह ने उन्हें अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया। महानगरों तथा उभरते बाजारों में त्योहारी मांग 25 प्रतिशत तक बढ़ी है। इस वर्ष दिवाली पर बिक्री के पुराने सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की रिपोर्ट के मुताबिक, दिवाली पर देशभर में कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ तक पहुंची, जिसमें 5.40 लाख करोड़ का वस्तु व्यापार और 65 हजार करोड़ का सेवा व्यापार शामिल है। त्योहारी बिक्री में किराना व एफएमसीजी वस्तुओं के हिस्सेदारी 12 प्रतिशत, सोना-चांदी 10 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिकल्स 8 प्रतिशत, कंज्यूमर ड्यूरैबल्स 7 प्रतिशत, रेडीमेड परिधान 7 प्रतिशत, गिफ्ट आइटम 7 प्रतिशत, होम डेकोर व फर्नीचर 10 प्रतिशत, मिठाई-नमकीन 5 प्रतिशत, वस्त्र 4 प्रतिशत, पूजन सामग्री 3 प्रतिशत, फल व मेवे एवं बेकरी-कन्फेक्शनरी प्रत्येक 3 प्रतिशत, फुटवियर 2 प्रतिशत और अन्य विविध वस्तुएं 19 प्रतिशत रही। इसी तरह सेवा क्षेत्र में भी इस बार कारोबार 65,000 करोड़ तक पहुंचा। पैकेजिंग, ट्रेवल, हॉस्पिटैलिटी, टैक्सी, इवेंट मैनेजमेंट, डिलीवरी और टेंट-सजावट जैसे क्षेत्रों में मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह देश के व्यापार इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा त्योहारी कारोबार है। पिछले साल के मुकाबले बिक्री में 25 फीसदी का इजाफा हुआ है। पिछली दिवाली पर 4.25 लाख करोड़ का कारोबार हुआ था। दिवाली के अवसर पर कारोबारी गतिविधियों में बढ़ोतरी से लगभग 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए। इनमें से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों ने कुल व्यापार का लगभग 28 प्रतिशत हिस्सा लिया। इससे यह स्पष्ट है कि न केवल बड़े शहरों बल्कि छोटे शहर और ग्रामीण इलाकों में भी दिवाली के अवसर पर खरीदी में तेजी आई।

त्योहारी सीज़न में बाजार ने तुफानी तेजी पकड़ी, लेकिन सबसे ज्यादा तेजी ऑनलाइन बाजार में ही दिखाई दी। आज जिसे देखो वह ऑनलाइन बाजार से खरीददारी के लिए व्यस्त है। इसमें ग्राहक और कंपनियों दोनों का फायदा भी हो रहा है। ग्राहक को घर बैठे मनपसंद सामान मिल रहा है तो वहीं कंपनियों के सामने के लिए एक बहुत बड़ा मार्केट भी बन रहा है। दिवाली के दौरान ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जरूरतस्तर खरीदारी देखने को मिली। इस बार ग्राहकों ने न केवल ज्यादा खर्च किया, बल्कि प्रीमियम प्रोडक्ट्स और तुरंत डिलीवरी सेवाओं को भी प्राथमिकता दी। अमेजन, फ्लिपकार्ट, जेप्टो और स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म पर रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किए गए। अब त्योहारों की खरीदारी सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छोटे शहरों से भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली। डेटम इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में भारत की फेरिटव ऑनलाइन बिक्री में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी का कारोबार हुआ। 1.2 ट्रिलियन तक पहुंच सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस साल के त्योहारों से साफ है कि अब भारतीय खरीदार तेज डिलीवरी, अच्छी क्वालिटी और प्रीमियम प्रोडक्ट्स को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। एक लोकल सर्वे ने

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर करीब छह लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है, जिसमें ऑनलाइन पर 1.20 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान लगाया जा रहा है, जो हमारे देश की जीडीपी का 3.2 प्रतिशत आंका गया है। नामी गिरामी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्योहारी सीज़न और जीएसटी में हालिया बदलाव का फायदा उठाना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने पहले ही डिस्काउंट ऑफर देने शुरू कर दिए थे।

ग्राहक बाजारों में खरीदारी करते हैं और जहां 500 रुपये या उससे कम खरीदारी करने वाले लोग हैं वहीं हजारों और लाखों रुपये खर्च करने वालों की भी कमी नहीं है और इसीलिए देश में त्योहारी सीज़न की महत्ता व्यापारों को दृष्टि से बेहद ही महत्वपूर्ण है। त्योहारों पर जिस तरह से विभिन्न प्रकार की चीजों की बिक्री से बाजार गुलज़ार हो रहा है उससे साफ अंदाज़ा लगा सकते हैं कि आने वाले सभी त्योहारों पर खरीदारी के लिए ग्राहक मन बना चुके हैं। लोग खरीदारों के लिए बाजारों में पहुंच रहे हैं। दुकानें ग्राहकों से गुलज़ार होने लगी है। बाजारों में चलत पहल व भीड़-भाड़ देखने को मिल रही है। ऑनलाइन शॉपिंग की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में खरीदारी करने वालों की भीड़ बढ़ रही है और आने वाले दिनों में कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। त्योहारी सीज़न से इलेक्ट्रॉनिक, कपड़ा, ऑटो मोबाइल, सराफा बाजार में ग्राहकों का रुझान बढ़ा है। पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की बढ़ती संख्या से न केवल इन स्थलों की रौनक बढ रही है बल्कि अच्छा कारोबार होने से कारोबारियों के चेहरों पर चमक देखने को मिल रही है। यह त्योहारी सीज़न हालाँकि महंगाई की मार से उपभोक्ताओं को राहतभर नहीं ला है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर करीब छह लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है, जिसमें ऑनलाइन पर 1.20 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान लगाया जा रहा है, जो हमारे देश की जीडीपी का 3.2 प्रतिशत आंका गया है। नामी गिरामी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्योहारी सीज़न और जीएसटी में हालिया बदलाव का फायदा उठाना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने पहले ही डिस्काउंट ऑफर देने शुरू कर दिए थे। कई कंपनियों के विज्ञापन में 50 से 80 प्रतिशत डिस्काउंट का वादा किया। अनुसंधान फर्म 'डेटम इंटेलिजेंस' की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में जीएसटी दरों को आमजन के अनुकूल बनाने से इस साल त्योहारी बिक्री 27 प्रतिशत से बढकर 1.20 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है, क्योंकि टैक्स स्लैब को कम करने से कई जरूरी उत्पादों की कीमत में भारी कमी आई।

नई जीएसटी व्यवस्था में अब सिर्फ 5 और 18 प्रतिशत के 2 टैक्स स्लैब रखे गए हैं और कुछ दरों को पूरी तरह से हटा दिया गया है, जिससे ग्राहकों को 10 प्रतिशत तक की बचत होने का अनुमान है। नई जीएसटी व्यवस्था में टीवी, एसी, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और कंज्यूमर ड्यूरैबल्स पर विशेष तौर पर बचत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक विगत तीन वर्षों में पहली बार शहरी उपभोक्ताओं के खर्च में वृद्धि देखी गई है। सिर्फ जुलाई महीने में 37.6 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने अपने गैर-जरूरी खर्च में वृद्धि की है।

दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियाँ जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिझाने का प्रयास करते हैं, वहीं ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योंकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए हैं। भी भोले भूते लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। अधिकृत प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। बैंक स्ट्रेटमेंट और पासवर्ड सुरक्षा सुनिश्चित करें। कैशऑन डिलीवरी अपनाएं और फर्जी ऑफर्स से बचें। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड सकता है। इसलिए कहा जाता है सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी। इसी दुर्घटना से बचने के लिए समझदारी और सजगता की जरूरत है।

—अतिथि संपादक, बाल मुकुन्द ओझा वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल

शनिवार 25 अक्टूबर, 2025
कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र प्रातः 7:52 तक, शोभन योग प्रातः 6:45 तक, वणिज करण दिन 2:34 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।
ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-चिन्मय, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरु-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।
आज रवियोग प्रातः 2:52 से आरम्भ होगा। भद्रा दिन 2:34 से रात्रि 3:49 तक रहेगी। आज विनायक चतुर्थी, दुर्वा गणपति व्रत है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:00 से 9:23 तक, चर 12:11 से 1:35 तक, लाभ अमृत 1:35 से 4:22 तक।
राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:36, सूर्यास्त 5:46

चेतावनी : धर्मांतरण के बढ़ते नेटवर्क और बदलता सामाजिक संतुलन

भारत की सांस्कृतिक आत्मा पर धीरे-धीरे होती चोट



रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

भारत की सभ्यता हजारों वर्षों से विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक रही है। यहाँ समानतन संस्कृति ने न केवल अनेक मत-पंथों को जन्म दिया, बल्कि उन्हें सह-अस्तित्व का स्थान भी दिया। परंतु पिछले कुछ दशकों में एक ऐसी प्रवृत्ति ने समाज के भीतर गहरी दरार डालनी शुरू की है – संगठित और योजनाबद्ध धर्मांतरण की प्रक्रिया, जो अब केवल धार्मिक या सामाजिक नहीं रही, बल्कि भू-राजनीतिक रणनीति का भी हिस्सा बन चुकी है।

भारत में धर्मांतरण की बढ़ती प्रक्रिया

स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक, भारत ने कई बार धार्मिक असंतुलन की झलक देखी है। 1951 की जनगणना में देश में हिंदू जनसंख्या 84.1% थी, जबकि 2011 तक यह घटकर 79.8% रह गई। दूसरी ओर, मुस्लिम जनसंख्या 9.8% से बढ़कर 14.2% और ईसाई जनसंख्या 2.3% से बढ़कर 2.8% तक पहुंची। यह परिवर्तन स्वाभाविक जनसंख्या वृद्धि का परिणाम भर नहीं है; कई राज्यों में संगठित मिशनरी गतिविधियों, विदेशी फंडिंग और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही ने इस असंतुलन को गति दी है।

सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं – छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, अरुम, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम, केरल और तमिलनाडु। इन राज्यों में या तो आदिवासी जनसंख्या अधिक है, या फिर आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों में धार्मिक सहायता (विशेष तंजी से बढ रही है। देश में इ-कॉमर्स का बाजार इन दिनों अपनी बूम पर है। यह सच है, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई प्रकार की मनभावक छूट, ऑफर और घर बैठे डिलीवरी की सुविधा मिलती है, यह भी सही है, ऑनलाइन खरीदारी में समय और ऊर्जा की बचत होती है, परंतु नकली प्रोडक्ट्स और डिलेवरी की दिक्कतें भी आम हैं। अब ग्राहकों को सावधानी तो रखनी ही होगी अन्यथा सावधानी हटी और दुर्घटना घटी।

आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में मिशनरियों की पकड़

धर्मांतरण का सबसे गंभीर पक्ष यह है कि यह सीधे सामाजिक-आर्थिक असमानता का उपयोग करता है। जहाँ सरकार की कल्याणकारी योजनाएँ नहीं पहुँच पाती, वहीं मिशनरी संस्थाएँ 'सेवा' के नाम पर घर-घर पहुँचती हैं। स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और मुफ्त राशन जैसी सुविधाओं के माध्यम से धीरे-धीरे धार्मिक पहचान बदलने की प्रेरणा दी जाती है। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ और झारखंड के बस्तर, सरगुजा और गुमला जिले इस गतिविधि के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। स्थानीय भाषा और संस्कृति को अपनाने वाले प्रचाक आदिवासी समुदायों को यह विश्वास दिलाते हैं कि उनकी मूल पहचान 'हिंदू धर्म' से अलग है – जबकि वास्तविकता में वे सदियों से भारत की सांस्कृतिक धारा का अभिन्न अंग रहे हैं।

दक्षिण और उत्तर-पूर्व भारत में बढ़ती सक्रियता
केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में चर्च-संचालित संस्थाओं की जड़ें बहुत गहरी हैं। इनके माध्यम से न केवल समाजसेवा, बल्कि धार्मिक प्रचार-प्रसार भी एक समानांतर शक्ति बन चुका है। वहीं पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर नागालैंड, मिज़ोरम और मेघालय, अब लगभग पूरी तरह से ईसाई-बहुल समाज बन चुके हैं। 1950 में जहाँ ईसाई जनसंख्या नागालैंड में 15% थी, आज वह 90% से अधिक है। यह परिवर्तन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान का भी पुनर्गठन है।

राजस्थान में स्थिति

जब हम धर्मांतरण की बात करते हैं, तो यह विषय केवल दूर के आदिवासी इलाकों या राज्यों तक सीमित नहीं रहा। राजस्थान, हमारा अपना राज्य, इस विषय के केंद्र में आ गया है; यहाँ के अनुभव, घटनाएँ और सरकारी कार्रवाई हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि हमारी सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समझ कितनी मजबूत है।

स्थानीय घटनाएँ जहाँ धर्म परिवर्तन का आरोप लगा

उदाहरण के लिए, दोसा जिले में अगपे फैलोशिप चर्च को आरोपों का सामना करना पड़ा कि वहाँ धर्मांतरण की गतिविधियाँ हो रही थीं। स्थानीय लोगों के विरोध और मीडिया रिपोर्टों के बाद प्रशासन ने जाँच शुरू की। एक और मामला बांसवाड़ा का है, जहाँ एक नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया कि अपने जाल और प्रेमेंसी पड़ा और आज यह जबन धर्म परिवर्तन का द्वाब बनाया गया। पुलिस ने मामले को दर्ज किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में प्रलोभन या प्रलोभन द्वारा धर्म परिवर्तन के आरोप अक्सर सामने आते हैं, लेकिन जांच की प्रगति, न्यायालयिक कार्यवाही या दोष सिद्धि की दर बहुत कम पायी जाती है।

धर्मांतरण विरोधी बिल पास और कैसों की संख्या

सितंबर 2025 में राजस्थान विधानसभा ने Rajasthan Prohibition of Unlawful Religious Conversion Bill, 2025 पारित किया। इस बिल के बाद सरकार ने स्वीकार किया है कि पिछले पाँच वर्षों में राज्य में केवल 13 धर्मांतरण मामले दर्ज हुए हैं। सरकार का दावा है कि "love jihad" नाम से कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। यह संख्या अपेक्षाकृत कम है, जो दिखाती है कि व्यापक, हिंसात्मक या जबनर धर्मांतरण की कथित घटनाएँ (जो अक्सर मीडिया या राजनीति में बड़ी बातें बन जाती हैं) वास्तविक घटनाओं की तुलना में कम हों।

कानून की सख्ती और दंड का प्रावधान

नया कानून प्रत्येक अनौचित या जबनर धर्मांतरण को अपराध मानता है। यदि विवाह केवल धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया हो, तो विवाह को अवैध माना जाएगा। बल, प्रलोभन, छल आदि के माध्यम से किए गए परिवर्तन पर 7-

14 साल जेल और 5–10 लाख जुर्माना जैसे प्रावधान हैं। मास / समूह धर्मांतरण की स्थिति में सजा और भी ज्यादा है, और विशेष रूप से अनुसूचित जाति / जनजाति / नाबालिगों की सुरक्षा के लिए कठोर प्रावधान हैं। नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश और इंडोनेशिया के उदाहरण भारत के पड़ोसी देशों में भी यह रुझान दिखाई देता है।

नेपाल: जहाँ कभी हिंदू राष्ट्र की पहचान थी, वहाँ 2015 में नया संविधान धर्मांतरपेक्ष घोषित किया गया, और इसके बाद से मिशनरियों की गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

श्रीलंका: तमिल-बहुल इलाकों में चर्च नेटवर्क का विस्तार हुआ, जिसने स्थानीय सामाजिक ढाँचे को प्रभावित किया।

बांग्लादेश: 1971 के बाद से इस्लामीकरण की नीति ने हिंदू जनसंख्या को 20% से घटाकर 8% से भी कम कर दिया।

इंडोनेशिया: यहाँ मुस्लिम बहुल शासन व्यवस्था के बीच ईसाई प्रचार पर नियंत्रण के बावजूद बाहरी NGO फंडिंग से कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या संतुलन बदलने के प्रयास हुए हैं।

लेबनान: कभी एक ईसाई, आधुनिक, उदार और सांस्कृतिक रूप से जीवंत मध्य - पूर्वी देश हुआ करता था – सन् 1970 तक वहाँ का समाज धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक खुलापन का प्रतीक माना जाता था। उस दौर में मुस्लिम शरणार्थियों को पनाह देने वाला लेबनान, धीरे-धीरे कट्टरपंथ और बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप का शिकार बन गया। परिणाम स्वरूप ईसाईयों के अपना धर्म छोड़ना पड़ा और आज यह आतंकवादियों का पसंदीदा देश है।

काबुल: इसी तरह, सन् 1990 से पहले का काबुल भी एक आज़ाद और आधुनिक शहर था – जहाँ महिलाएँ आधुनिक वस्त्र पहनकर सड़कों पर बेझिझक घूमती थीं, विश्वविद्यालयों में शिक्षा लेती थीं, और कला-संस्कृति का माहौल गहराई से बसा था। इतना ही नहीं, उस समय बॉलीवुड की कई फिल्मों की शूटिंग भी इन्हीं में होती थी। लेकिन कुछ ही वर्षों में ये सभी शहर कट्टर विचारधारा, विदेशी फंडिंग और धार्मिक राजनीति के केंद्र बन गए – और आज वहाँ की स्थिति देखें! यह सोचने पर मजबूर करती है कि अगर समाज समय रहते नहीं चेता, तो सभ्यता के केंद्र भी कट्टरता की गिरफ्त में आ सकते हैं।

इन सभी देशों में एक समानता है – धर्मांतरण को भू-राजनीतिक शक्ति के रूप में प्रयोग करना, ताकि सांस्कृतिक पहचान को कमजोर कर राजनीतिक और रणनीतिक प्रभाव स्थापित किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और भारत की चुनौती

धर्मांतरण अब केवल धार्मिक परिवर्तन का विषय नहीं रहा। यह एक वैश्विक साँफ्ट-पावर टूल बन चुका है।अमेरिका, यूरोप और कुछ अंतरराष्ट्रीय NGO नेटवर्क, रिलीफ एंड फेथ बेस्ड डेवलपमेंट के नाम पर भारत में अरबों डॉलर की विदेशी सहायता भेजते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, FCRA

(Foreign Contribution Regulation Act) के तहत 2022–23 में भारत में कुल 23,000 करोड़ से अधिक विदेशी चंदा आया, जिसमें से धर्म आधारित NGO को सबसे अधिक हिस्सा मिला। मेरा केंद्र सरकार के प्रति सुझाव है कि सभी ट्रस्ट, एनजीओ और सोसाइटीज जो कानून के तहत पंजीकृत हैं, उनकी आयकर विभाग द्वारा नियमित और आवश्यक स्कूटिनी की जानी चाहिए। इस तरह सरकार को पता चलेगा कि पैसा किस ख़ोत से आ रहा है, किस उद्देश्य के लिए प्राप्त किया गया है और क्या वह देश की अखंडता के लिए खतरा बनता है। साथ ही यह भी जांचा जाना चाहिए कि प्राप्त धन का अंतिम उपयोग किस प्रकार से हो रहा है। इन फंडों का दीर्घकालिक उद्देश्य सांस्कृतिक प्रभाव क्षेत्र का विस्तार करना होता है। यही कारण है कि कई बार इन गतिविधियों के परिणामस्वरूप स्थानीय भाषाएँ, परंपराएँ और लोक-आस्था धीरे-धीरे समाप्त होती जाती हैं – और उसके स्थान पर पश्चिमी या अरबी प्रभाव वाला जीवन-दर्शन पनपता है।

सांस्कृतिक असंतुलन और सामाजिक तनाव

धर्मांतरण केवल धार्मिक आँकड़ों का विषय नहीं है। यह समाज में सांस्कृतिक असंतुलन और आपसी अविश्वास को जड़ें बोता है। जब एक ही गाँव, परिवार या समुदाय के लोग अलग-अलग धार्मिक पहचान अपना लेते हैं, तो पीढ़ियों की एकता टूट जाती है। यह विभाजन राजनीतिक लाभ का साधन बनता है – स्थानीय चुनावों में धर्म आधारित मतदाता ध्रुवीकरण के रूप में। असम, झारखंड और छत्तीसगढ़ में कई बार देखा गया कि जहाँ धर्मांतरण तेज़ हुआ, वहीं सांप्रदायिक टकराव, हिंसा और जनसंख्या असंतुलन के खतरे भी बढ़े। कुछ जिलों में स्थानीय आदिवासी अब खुद को हिंदू न कहकर मूल निवासी या सरना पहचान से जोड़ रहे हैं – जिसे अलग धर्म घोषित करने की मांग भी उठ रही है। यह स्थिति भारत की सांस्कृतिक एकता के लिए गंभीर संकेत है।

आने वाले दशकों की दिशा
यदि यह प्रवृत्ति इसी गति से चलती रही, तो आने वाले 30-40 वर्षों में कई क्षेत्रों में धार्मिक जनसंख्यिकी पूरी तरह बदल सकती है। भारत में धर्मांतरण के विरुद्ध कई राज्य जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड पहले ही कड़े कानून बना चुके हैं। परंतु इन कानूनों के प्रभाव को धरातल पर लागू करना अब भी चुनौती है – क्योंकि गतिविधियाँ अब डिजिटल, आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय रूप में फैली हुई हैं।

आवश्यक उपाय और आत्म-पुनरावलोकन

स्थानीय डेटा संग्रह और पारदर्शिता जिले-स्तर पर मामलों की संख्या, पुलिस रिपोर्ट, आरोपों की प्रकृति (प्रलोभन, विवाह, बल आदि) सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होनी चाहिए। यह मीडिया या सामाजिक संगठनों की रिपोर्ट पर निर्भर नहीं होना चाहिए, बल्कि सरकारी रिकॉर्ड और न्यायालयीन प्रकरणों से समर्थित होना चाहिए।

पुलिस और न्यायालयीन प्रक्रिया में त्वरितता और निष्पक्षता
स्थानीय पुलिस को ऐसे मामलों में तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए; पीड़ितों को न्यायालयीन प्रक्रिया में सुरक्षा और कानूनी मदद सुनिश्चित हो; झूठे आरोपों की जाँच हो; झूठे मामलों में कानूनी निष्कर्ष तक पहुँचने की संभावनाएँ हों।

सामाजिक सेवाओं का क्षेत्रीकरण
शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय कार्यक्रमों को पहुँच उन स्थानों पर जहाँ आर्थिक-शैक्षिक पिछड़ापन अधिक है, जैसे आदिवासी इलाकों, पिछड़े ब्लॉकों में। यदि लोगों को शिक्षा या स्वास्थ्य सुविधा के कारण धर्म परिवर्तन करना पड़ता है, यह संकेत है कि मूल आवश्यकता पूरी नहीं हो रही।

कानूनी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा

नया कानून प्रभावी है, पर इसे लागू करते समय धार्मिक स्वतंत्रता, संविधान की आस्था-स्वतंत्रता की गारंटी, और निजी जीवन की रक्षा का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही इस तरह के कानूनों के दुरुपयोग की आशंका को कम करने के लिए शपथ पत्र, गवाह, दस्तावेज़ आदि की सख्त जाँच हो।

समुदाय आधारित जागरूकता अभियान : लोकतांत्रिक होने के नाते हमें गाँवों, मोहल्लों, स्कूलों में इस विषय पर संवाद खोलना चाहिए – धर्म परिवर्तन के आरोपों की सच्चाई क्या है, अधिकार क्या हैं, कानूनी चुनौतियाँ क्या हैं। धार्मिक नेतृत्व (ग्राम धर्मगुरु, पुजारी, मौलवियों) को इस संवाद में शामिल करना चाहिए ताकि समाज के विश्वास टूटने से पहले संशोधन हो सके। यह विषय केवल सरकार का सुरक्षा एजेंसियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए आत्मचिंतन का प्रश्न है। हमें यह समझना होगा कि धर्मांतरण की जड़ें केवल बाहर से नहीं आतीं – वे वहीं उगती हैं जहाँ गरीबी, असमानता, शिक्षा और स्वास्थ्य की कमी है। यदि हम इन बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं करेंगे, तो कोई भी कानून इस प्रवृत्ति को नहीं रोक सकेगा। हमें शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में अपने स्वयंसेवी संगठनों को सशक्त बनाना होगा। गाँवों, पहाड़ी और जनजातीय इलाकों में ऐसे प्रयास होने चाहिए जो धर्म नहीं, बल्कि मानसता के आधार पर सेवा दें। सांख्यतिक जागरूकता को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ना, युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से परिचित कराना – यही इस चुनौती का स्थायी उत्तर है। भारत की ताकत उसकी विविधता और सहिष्णुता में हैं, परंतु यह तभी टिक सकती है जब उसकी जड़ें मजबूत रहें। धर्मांतरण की यह बढ़ती लहर हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या हम अपनी सांस्कृतिक आत्मा की रक्षा कर पा रहे हैं?

यह समय है आत्मपरीक्षण का – धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना के आधार पर जिसने भारत को सदियों तक एकता में बाँधे रखा है।

—रोटेरियन सुनील दत्त गोयल, महानिदेशक, ग्लोबियल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

किसान ने स्मार्ट फार्मिंग से अमरूद की खेती कर लाखों का मुनाफा कमाया

10वीं पास किसान ने खेती के लिए सोशल मीडिया से जानकारी जुटाई

■ **जैविक खेती के जरिए 1 बीघा में 90 क्विंटल अमरूद उगाए, इसके बाद धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ाते हुए साढ़े चार बीघा में 10 टन अमरूद उगा रहे हैं**

उन्होंने यूट्यूब पर अमरूद की खेती के बारे में देखाना और आपसपा इसकी जानकारी जुटाना शुरू किया। अमरूद की खेती से जुड़े वॉीडियो भी देखे। पौध मंगाने के लिए हरियाणा के हिसार में बालाजी नर्सरी से संपर्क किया। मनोहर बताते हैं कि यहां से उन्होंने सफेदा अमरूद की फोई वैरायटी के पौधे मंगवाए। जैविक खाद का इस्तेमाल कर उन्होंने पौधे लगाए। करीब 2 साल बाद पौधों पर फल लगने

मनोहरलाल ने बताया कि सफेदा अमरूद में नरम बीज होते हैं, जिसे आसानी से खाया जा सकता है। यह किस्म सबसे मीठे अमरूद देती है और इसमें कीड़े भी नहीं लगते। फल चिकने और चमकदार होते हैं। पकने पर बाहर से हल्का पीला और अंदर से सफेद गूदा होता है। एक फल का औसत वजन 150–200 ग्राम होता है।

श्रीगंगानगर से अमरूद लेने आए व्यापारी नानक सिंह ने बताया कि सफेदा अमरूद खाने में सबसे बेस्ट है। इसके बीज नरम होने के कारण इसकी खरीदारी ज्यादा होती है। सीधे खेत से अमरूद लेने में फायदा होता है। ताजा अमरूद

पौधों से तोड़कर, इसे पेटियों में पैक कर बेचने के लिए ले जाते हैं। यह अमरूद पूरी तरह से जैविक है और इसमें कीड़े, मच्छर, मक्खी वगैरह भी नहीं लगते।

मनोहर ने बताया कि सफेदा अमरूद की किस्म साल भर फल दे सकती है, लेकिन मुख्य फसल सर्दियों में आती है। एक पौधे से कम से कम 100 से 150 किलो फल हर साल प्राप्त होते हैं। फलों की शेल्फ लाइफ अच्छी होती है, जो ट्रांसपोर्ट और बाजार के लिए अच्छी है। यह किस्म अमरूद की खेती के लिए शुरूआती किसानों के लिए भी आसान है, क्योंकि यह कम खरचखाव वाली है।

मेष	वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।	परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं आय में वृद्धि होगी।

तुला	वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	व्यावसायिक कार्यों े कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरिपेशा व्यक्तियों में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। वास्थ्य ठीक रहेगा।

मिथुन	धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित ख़ोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। विवाचित मामलों से राहत मिलेगी।	घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनगल कार्यों में खराब हो सकता है।

कर्क	मकर
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित ख़ोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह	कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।	व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आरही परेशानियों दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या	मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

बीकानेर पूर्व राजघराने का संपत्ति विवाद : राज्यश्री कुमारी को जूनागढ़ में प्रवेश से रोका

राजश्री कुमारी को पैत्रिक मंदिर के दर्शन प्रवेश से रोकने के लिये पुलिस का जाब्ता भी बुलाया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर पूर्व राजघराने का सम्पत्ति विवाद शुक्रवार को फिर चर्चा में आ गया है, जब राजश्री कुमारी को जूनागढ़ स्थित उनके पैत्रिक मंदिर के दर्शन प्रवेश से रोके लिया गया। इतना ही नहीं उन्हें रोकने के लिये पुलिस का जाब्ता भी बुलाया गया। कोर्टगेट थानाधिकारी विश्वजीत सिंह भी मौके पर पहुंचे, लेकिन राज्यश्री कुमारी, उनके विधि सलाहकार एडवोकेट कमल नारायण पुरोहित और अविनाश व्यास को प्रवेश की आज्ञा नहीं दी गई। प्रवेश को लेकर करीब एक घंटे तक दोनों पक्षों की ओर से वाद-प्रतिवाद चलता रहा। वहीं राजश्री कुमारी के अधिवक्ताओं की ओर से 13 अक्टूबर को न्यायालय की ओर से सुनाए गये फैसले की कांपी भी पुलिस को दिखाई, किन्तु पुलिस ने किसी प्रकार से प्रवेश नहीं दिया गया। तो सिद्धिकुमारी के अधिवक्ता अशोक व्यास ने ऐसे किसी प्रकार के फैसले को सही नहीं बताया, जिसके चलते राज्यश्री कुमारी को वापस लौटना पड़ा।

राज्यश्री का तर्क था कि मंदिर दर्शन करने के आने की सूचना दी गई थी। राज्यश्री कुमारी ने कहा कि हमें

न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि जूनागढ़ किले में हमारे मंदिर है, अगर मुझे मंदिर में ही जाने पर रोका गया तो गलत है। आज ही पूर्व महाराजा नरेंद्र सिंह की पुण्यतिथि है, लेकिन आज ही के दिन उनकी बहन को किले में बने मंदिर में प्रवेश करने से रोका गया।

राज्यश्री के निजी सचिव गोविंद सिंह ने कहा कि एडीजे कोर्ट तीन ने राज्यश्री कुमारी के प्रशासक होने और सम्पत्तियों पर कब्जा व हिसाब-किताब का नियंत्रण होने के तथ्य को सही मानते हुए राज्यश्री के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया है। साथ ही चल अचल संपत्तियों के संचालन के योग्य माना है। इसी निर्णय के आधार पर राज्यश्री का स्टाफ जूनागढ़ पहुंचा था। जहां उनके आने की सूचना पहले पहुंच गई। ऐसे में प्राइवेट सिक्वोरिटी गार्ड और पुलिस ने राज्यश्री व उनके स्टाफ को अंदर जाने से रोक दिया था।

बीकानेर पूर्व से भाजपा विधायक सिद्धि कुमारी पर राज्यश्री कुमारी ने पहले भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि सरकार और विधायकी के दबाव में मनमानी कर रही है, जिसके चलते आज मंदिर के दर्शनार्थ भी पुलिस बुलाई गई है ताकि



पूर्व राजघराने के संपत्ति विवाद मामले में राज्यश्री कुमारी को जूनागढ़ में प्रवेश से पुलिस ने रोक दिया

वे मंदिर में प्रवेश न कर सके। उन्होंने कानूनी व्यवस्था पर भरोसा जताया और कहा कि उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। हालांकि सिद्धि कुमारी की ओर से अभी तक इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

डॉ. करणी सिंह की वसीयत में उनकी संपत्ति से जुड़े ट्रस्टों की देखरेख के लिए कुल 5 प्रशासक बनाए गए थे। इनमें डॉ. करणी सिंह की पत्नी सुशीला कुमारी, राजसिंह इंगरपुर, अरविंद सिंह मेवाड़, मानेकशा और राज्यश्री बतौर प्रशासक रहे। जब तक

सुशीला कुमारी जीवित थी, तब तक इसका संचालन उन्होंने ही किया। पांच में से चार प्रशासक की मृत्यु के बाद राज्यश्री अकेली प्रशासक रही हैं। इसी को आधार बनाते हुए सिद्धि कुमारी ने उनके प्रशासकशिप को ही चुनौती दी थी। सुशीला कुमारी की मृत्यु के बाद उनकी बेटी सिद्धि कुमारी ने संपत्तियों पर अपना अधिकार जताया। बाद में सिद्धि कुमारी ने अदालत में केस दायर कर दिया। कोर्ट से मिले स्ट्रे को राज्यश्री कुमारी ने अपने पक्ष में माना। पूर्व राजमाता सुशीला कुमारी के देहांत के

राज्यश्री कुमारी, उनके विधि सलाहकार एडवोकेट कमल नारायण पुरोहित और अविनाश व्यास को प्रवेश की आज्ञा नहीं दी गई

बाद सिद्धि कुमारी ने जिला न्यायाधीश संख्या तीन में एक वाद प्रिंसेस राज्यश्री कुमारी व प्रिंसेस मधुलिका कुमारी समेत अन्य के खिलाफ केस दायर किया। इसमें सिद्धि कुमारी ने राज्यश्री के नियंत्रण से संपत्तियों, हिसाब-किताब का नियंत्रण और कब्जा मांगा था। इस पर राज्यश्री ने कोर्ट में कहा कि सिद्धि कुमारी मान रही है कि सम्पत्तियों का नियंत्रण व हिसाब-किताब प्रशासक के रूप में उनके पास है, तो फिर सिद्धि कुमारी अवैध रूप से इन संपत्तियों को खुद-बुद करने का प्रयास कर रही है। ऐसे में कोर्ट ने कहा कि जब तक केस में फैसला नहीं होता, तब तक स्ट्रे रहेगा। इस स्ट्रे को राज्यश्री ने अपने पक्ष में माना है। इसके बाद राज्यश्री ने फिर से ट्रस्ट पर स्वयं के अधिकार का दावा किया है।

महाराजा करणी सिंह के समय और इसके बाद कुछ ट्रस्ट गठित किए गए। इनमें महाराजा गंगा सिंह ट्रस्ट, महाराजा राय सिंह ट्रस्ट, करणी सिंह फाउंडेशन, करणी चैरिटेबल ट्रस्ट और महारानी सुशीला कुमारी ट्रस्ट का गठन किया गया। इन पांचों ट्रस्ट को पहले करणी सिंह की बेटी राज्यश्री कुमारी ही देखती थीं। महाराजा करणी सिंह ने राज्यश्री को कुछ अधिकार दिए थे। इसके बाद अधिकांश ट्रस्ट में राज्यश्री ही सर्वेसर्वा रही।

वर्तमान में गंगा सिंह ट्रस्ट के अधीन लालगढ़ पैलेस और लक्ष्मी निवास पैलेस है। ये दोनों फाइव स्टार होटल के रूप में संचालित हो रहे हैं। लालगढ़ और लक्ष्मी निवास की मौजूदा कीमत अरबों रुपए में आंकी जा रही है। दोनों पैलेस एक ही परिसर में कई बीघा जमीन पर हैं। बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी लालगढ़ के ही एक हिस्से में रहती हैं। पहले पूर्व राजमाता सुशीला कुमारी (पूर्व महाराजा करणी सिंह की पत्नी) भी लालगढ़ के इसी हिस्से में रहती थीं। उनके निधन के बाद से सिद्धि कुमारी यहां रहती हैं।

एम्बुलेंस में महिला का सुरक्षित प्रसव कराया

निवाई/गुंसी, (निसं)। गुरुवार की रात्रि में निवाई आते समय 108 एम्बुलेंस कर्मियों ने एम्बुलेंस में ही एक महिला का सुरक्षित प्रसव कराया। दत्तवास निवासी 22 वर्षीय राधा देवी को गुरुवार की रात करीब आठ बजे

राधा देवी ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया

प्रसव पीड़ा शुरू होने पर पायलट देवराज गुर्जर व ईएमटी गुलबाज अहमद नकवी ने तत्काल मदद पहुंचाई। गांव से निवाई अस्पताल जाते समय प्रसव पीड़ा बढ़ने पर उन्होंने रास्ते में ही एंबुलेंस रोक दी और साहस दिखाते हुए सुरक्षित प्रसव कराया। रात 8:15 बजे राधा देवी ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। मां और बेटी दोनों स्वस्थ हैं, जिन्हें बाद में उपजिला अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया गया। स्थानीय लोगों ने दोनों कर्मियों की संवेदनशीलता और तत्परता की जमकर सराहना की।



एम्बुलेंस में सुरक्षित प्रसूता व परिजन।

सामाजिक कुरीतियों को लेकर चर्चा

गुढागौड़जी, (निसं)। ग्राम ककराना, दीपपुरा और ढाणी भैयावाली (गढ़ला) के तीनों गांवों से गुर्जर समाज के लोगों ने सामाजिक कुरीतियों को लेकर रतनजीवाली कोठी में समाज की मिटिंग पूर्व सरपंच प्रभातीलाल दौराता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें गुर्जर समाज द्वारा निर्धारित 11 बिंदुओं पर चर्चा की गई और इनको सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। मिटिंग को ख्यालीराम गटिला, शीशराम पूर्व सरपंच, उमराव, मास्टर सागरमल, धर्मपाल गहला कलां, मातायोन कोली आदि ने संबोधित किया एवं विकास पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष, मास्टर ओमप्रकाश खटाना आदि मौजूद थे।

शराब के लिए रूपए नहीं दिए तो मां पर किया हमला

बुजुर्ग मां गंभीर रूप से जखमी, अस्पताल में भर्ती कराया

अजमेर, (निसं)। अलवरगेट थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। मां से शराब के रूपए मांगने पर नहीं देने पर बेटे ने अपनी 78 वर्षीय बुजुर्ग मां पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से जखमी कर दिया। बुजुर्ग महिला को परिजन ने जवाहर लाल नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनके गाल पर 15 टांके लगाने के बाद

गाल पर 15 टांके लगाने के बाद भर्ती कर लिया

भर्ती कर लिया। धोलाभाटा इंदिरा कॉलोनी निवासी ओमवती देवी पर उनके बड़े बेटे विनोद ने हमला किया। परिजन ने बताया कि जब उन्होंने शराब के लिए

पैसे देने से मना किया तो विनोद ने गुस्से में धातदार हथियार से वार कर दिया। हमले में ओमवती के चेहरे पर गहरी चोट आई। घटना के बाद परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़िता की ओर से थाने में लिखित शिकायत पेश की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरपीएससी सचिव बनकर फर्जी पोस्ट डालने पर एफआईआर दर्ज

आयोग सचिव ने सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज कराया, जांच शुरू

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग सचिव के पदनाम से सोशल मीडिया पर एक फर्जी पोस्ट डालने और आयोग की ख्याति को हानि पहुंचाने का प्रयास करने के संबंध में सिविल लाइंस समाज कंटक द्वारा एक जाली पोस्ट डाली गई, जिसे आयोग सचिव के अधिकृत हस्ताक्षर से जारी किया जाना दर्शाया गया। आयोग सचिव के हवाले से जारी यह पोस्ट पूर्णतया फर्जी है और इस प्रकार का कोई भी दस्तावेज़ या



जमीन विवाद के चलते प्रॉपर्टी डीलर पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

दौरान फरार चल रहे राहुल जोशी को दबिश देकर गिरफ्तार किया है। आरोपी

को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस ने कहा

कि इस मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका भी भी जांच जारी है।

विद्यालयों में दीपोत्सव मनाया

खिरोड़, (निसं)। टॉक छिलरी ग्राम पंचायत के राजकीय विद्यालयों में दीपोत्सव मनाया गया।

जानकारी के अनुसार पीईईओ संजू नेहरा ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोक छिलरी व भोजनगर, उच्च प्राथमिक विद्यालय चिपरूडी जोहड़ी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय नया जोहड़ व डालाना जोहड़ के भवन एवं चारदीवारी पर शिक्षा विभाग के निर्देशों की पालना करते हुए रंग रोगन करवाया गया व उसके बाद पांच दिवसीय दीपोत्सव मनाते हुए लाइट व दीपों से सजाया गया। शिक्षा के ये मंदिर शिक्षा की ज्योत जलाने के साथ साथ बालकों में हिंदुस्तानी साहित्य व संस्कृति का भाव जागृत करने के लिए समय समय पर नवाचार करते रहते हैं।

ट्रेन से संदिग्ध हालत में महिला लापता

अजमेर, (निसं)। जीआरपी थाना क्षेत्र में ट्रेन यात्रा के दौरान एक महिला के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने अजमेर और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। महिला की सास की रिपोर्ट पर जीआरपी ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी पुलिस के अनुसार गुजरात अरावली निवासी धनी बेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बेटा रोहित, बहुरश्मि, बेटा आरव और जितेंद्र की पत्नी धर्मिष्ठा 20 अक्टूबर को अजमेर रेलवे

स्टेशन से सामलाजी रोड जाने के लिए यूपर-आसरावा ट्रेन में सवार हुए थे। रात 11:45 बजे ट्रेन रवाना हुई। सफर शुरू होते ही परिवार सो गया। रात करीब एक बजे धर्मिष्ठा ने देखा कि रश्मि अपनी सीट पर नहीं हैं। तब तक ट्रेन धीलवाड़ा पार कर चुकी थी। पास बैठे यात्रियों ने बताया कि रश्मि को नसीराबाद रेलवे स्टेशन पर उतार देखा गया था। परिजन अजमेर लौटे और आसपास के क्षेत्रों में तलाश किया, लेकिन रश्मि का कोई सुराग नहीं मिला। जीआरपी थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हनीट्रैप में फंसाकर डॉक्टर का अपहरण, आरोपी गिरफ्तार

महिला के साथ अश्लील वीडियो बनाए, 30 लाख की फिरोती मांगी, चलती गाड़ी से फेंक गए

अलवर, (निसं)। अलवर में एक फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर को आरटीओ ऑफिस के पास बुलाकर एक महिला और दो पुरुषों ने अपहरण कर लिया। आरोपियों ने डॉक्टर के कपड़े फाड़े, मारपीट की और 30 लाख रुपए की फिरोती की मांग की। साथ ही, आरोपियों ने डॉक्टर के साथ आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की। डॉक्टर को लगभग 3-4 घंटे तक बंधक बनाकर अलग जगह ले जाया गया और रास्ते में गाड़ी से धक्का भी दिया गया।

पीड़ित डॉक्टर करनी सहाय ने बताया कि उनके हाथ, कोहनी और कमर में चोटें आईं, जिनके निशान अभी तक नहीं गए हैं। उन्होंने तुरंत शिवाजी पार्क थाना थानेदार विनोद सामरिया को कॉल किया। पुलिस मौके पर पहुंची और डॉक्टर को डॉक्टर को वापस ला कर

आरोपियों का पीछा किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में शामिल वसीम खान उर्फ मूसा, प्रियांशु चौधरी उर्फ गोंधू, शरुना (महिला) हैं। डॉक्टर करनी सहाय, फिजियोथेरेपिस्ट ने बताया कि 22 अक्टूबर को शाम 5-30 बजे उन्हें मोबाइल पर एक महिला का फोन आया। महिला ने कहा कि उन्हें आरटीओ ऑफिस के पास मिलना है। डॉक्टर वहां गए। महिला और दो पुरुषों ने उन्हें अपने घर ले जाकर कपड़े फाड़ दिए और मारपीट की। उन्होंने 30 लाख रुपए की फिरोती मांगी और आपत्तिजनक फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह पहले से सक्रिय था और कई अपराध कर चुका है। गिरफ्तारी से पहले एक आरोपी ने

पहचान छिपाने के लिए अपना सिर गंजा करवा लिया था। पुलिस ने कहा कि आरोपियों से पूछताछ और साक्ष्य जुटाने का काम जारी है और घटना में शामिल अन्य लोगों को पहचान की जा रही है।

डेंगू से महिला की मौत : श्रीगंगानगर शहर में डेंगू से मौत का पहला मामला सामने आया है। पुरानी आबादी में लीला चौक के समीप रहने वाली 55 वर्षीय महिला की बड़िंडा के एक निजी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महिला को तबीयत बिगड़ने के कारण तीन अक्टूबर को श्रीगंगानगर के प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था। प्लेटलेट्स कम होने के कारण उन्हें पहले श्रीगंगानगर के एक अन्य मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ले जाया गया। इसके बाद बड़िंडा स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया।

युवक की मौत

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में गुरुवार देर रात्रि को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार घर में शादी का माहौल चल रहा था, दो नवम्बर को मुतक युवक की बहन की शादी होने वाली थी और शुक्रवार को घर में लग्न कार्यक्रम था जिसकी तैयारी में परिवार के सदस्य लगे हुए थे।

आपसी रंजिश में बदमाशों ने चार युवकों को पीटा

कैपेर गाड़ी में भी तोड़फोड़ की, वीडियो वायरल, पुलिस ने पांच आरोपियों को डिटैन किया

जोधपुर, (कासं)। कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश को लेकर कुछ बदमाशों ने चार युवकों को घेर कर लाठी-डंडों से पीटा और उसकी कैपेर में तोड़फोड़ कर उसे पलट दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को डिटैन भी कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार रात को कुड़ी थाना क्षेत्र में आरोपियों ने एक बोलरो केपर गाड़ी में तोड़फोड़ की और गाड़ी सवार लोगों के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो अब सामने आया है। बलानी नगर गुडा विश्‍नोइयां निवासी विक्रम बिश्‍नोई ने कुड़ी भगतासनी थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि वह अपने भाई मेकाराम, अकरम व रमेश के साथ घर जा रहे थे। तभी सेक्टर एक के पास में आरोपियों ने उन्हें रोककर मारपीट

की। रिपोर्ट में विक्रम ने बताया कि हर्ष वैष्‍णव, राजू गुजराती, निखिल, पीयूष, मोंटी, रवि और 10-12 अन्य लोगों ने उन पर हमला किया और बोलरो केपेर को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। इस हमले में अकरम को चोट आई, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं, वीडियो में आरोपी युवक को पीटते हुए और गाड़ी पर डंडा बरसाते हुए नजर आ रहे हैं। इसके बाद बदमाशों ने गाड़ी को पलट दिया। मामले को लेकर कुड़ी भगतासनी थानाधिकारी हमीर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को डिटैन किया है। इनमें आरोपी सेक्टर एक क्विकेक् विहार निवासी मोटू, सेक्टर तीन निवासी विशाल बोहरा व निखिल वाल्‍मीकि, सेक्टर पांच निवासी पीयूष राव व रोहित मेघवाल शामिल हैं।

भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल में हार्ट अटैक से कैदी की मौत

हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था कैदी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल में एक कैदी की मौत हो गई। यह कैदी एक मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। जेल अधीक्षक का कहना है कि इस कैदी की मौत हार्ट अटैक आने के कारण हुई है।

जेल अधीक्षक परमजीत सिंह सिंधु ने बताया कि गुरुवार देर शाम नरेश सिंघल नाम के कैदी की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। वह मर्डर के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उसके शव को गुरुवार देर शाम ही आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया था। शुक्रवार को शव के पोस्टमार्टम की कार्यवाही मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हुई। मृतक के परिजन भी आरबीएम हॉस्पिटल पहुंचे। मेडिकल बोर्ड से सेवर थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्यवाही कराई गई। बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार भरतपुर के बहुचर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में नरेश सिंघल को कोर्ट ने दोषी ठहराया था। कोर्ट ने नरेश सिंघल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। ढाई साल से ज्यादा पुराना यह मामला था। 28 जनवरी 2023 को कृष्ण कुमार उर्फ बेबी और नरेश सिंघल ने संजय बिहारी नाम के व्यक्ति को फोन कर अपने घर बुलाया था। जब संजय उनके घर पहुंचा तो वहां नरेश सिंघल, कृष्ण उर्फ बेबी और नरेश सिंघल ने संजय बिहारी नाम के व्यक्ति को फोन कर अपने घर बुलाया था। जब संजय उनके घर पहुंचा तो वहां नरेश सिंघल, कृष्ण

भरतपुर के बहुचर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में नरेश सिंघल को कोर्ट ने दोषी ठहराया था



शव के पोस्टमार्टम की कार्यवाही मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हुई।

सतीश पूनियां को जन्मदिन की बधाई देने प्रदेश व हरियाणा से मंत्री और विधायक पहुंचे



भरतपुर में सतीश पूनियां को जनप्रतिनिधियों ने माला और साफा पहनाकर जन्मदिन की बधाई दी।

भरतपुर, (निसं)। भाजपा के राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने ब्रज क्षेत्र के आराध्यदेव गिरिराजजी महाराज की शरण में गोवर्धन में अपना 61वां जन्मदिन मनाया। इस दौरान पूनियां को राजस्थान और हरियाणा के भारी संख्या में बीजेपी नेता, मंत्री और विधायक बधाई देने के लिए पहुंचे।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह सतीश पूनियां ने अपने परिवार के साथ श्रीनाथजी और मुकुट मुखार बिंद पर अभिषेक किया। सैकड़ों की संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता और लोग उन्हें बधाई देने के लिए पहुंचे। इस दौरान पूनियां ने कहा कि यह न तो आमसभा है और न

■ **सतीश पूनियां ने गिरिराजजी महाराज की शरण में गोवर्धन में 61वां जन्मदिन मनाया**

ही यह शक्ति प्रदर्शन है, यह तो भक्ति प्रदर्शन है। श्री नाथजी के मंदिर के सामने बने प्रांगण में सतीश पूनियां के जन्मदिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेदम, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने संबोधित किया। पूनियां को बधाई देने के लिए हरियाणा और राजस्थान से कई

बीजेपी नेता, कार्यकर्ता पहुंचे। सभी ने सतीश पूनियां के साफा बांधकर और उपहार देकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। सतीश पूनियां ने कहा कि जब मैं बीजेपी युवा मोर्चा से जुड़ा था तब मैं गोवर्धन की परिक्रमा लगाने के लिए आया था। उस समय मेरे पैरों में छाले हो गए थे। तब मैंने संकल्प लिया था कि मैं गोवर्धन की परिक्रमा लगाऊंगा। इसलिए गोवर्धन में गिरिराज भगवान की परिक्रमा भी लगाई। भरतपुर को महाराजा सूरजमल के नाम से जाना जाता है। अपने जन्मदिन के मौके पर सतीश पूनियां ने सपरिवार अपना घर आश्रम में आवासरत गधुभजनों को भोजन प्रसादी भी खिलाई।

सरकारी महिला टीचर से ट्रेवल एजेंसी मालिक ने दुष्कर्म किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। सरकारी स्कूल की 38 साल की महिला टीचर से रेप का मामला सामने आया है। महिला टीचर ने ट्रेवल एंड कार्गो एजेंसी के मालिक के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कराया है। टीचर ने आरोप लगाया है कि दिल्ली आने-जाने की टिकट बुक करने के दौरान आरोपी से पहचान हुई। बातचीत बढ़ने पर ट्रेवल एजेंसी मालिक अक्सर उसके घर आने-जाने लगा। फरवरी 2025 को एक दिन आरोपी कोलड ड्रिंक और चिप्स लेकर मेरे घर आया। इस दौरान मेरा बेटा घर पर नहीं था। आरोपी ने कोलड ड्रिंक के लिए मामले को केस ऑफिसर स्कीम में लिया जाएगा।

ने बेहोशी में मेरे साथ रेप किया। मामला रायसिंहनगर थाना इलाके का है। मामले की जांच एसएचओ कलावती चौधरी कर रही है।

महिला टीचर ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि मैं दिल्ली की रहने वाली हूं और श्रीगंगानगर के एक सरकारी स्कूल में टीचर हूं। मैं दिल्ली आने-जाने के लिए चंडा ट्रेवल एंड कार्गो एजेंसी मालिक राजेश शर्मा उर्फ राजा से टिकट बुक करवाती थी। इस दौरान हमारी पहचान हुई। एक बार राजेश शर्मा ने मुझे अपना बिजिटिंग कार्ड देकर कहा कि यह मेरा बिजिटिंग कार्ड है और किसी सामान या मदद की जरूरत हो तो कॉल कर सकती हूं। महिला ने रिपोर्ट में बताया कि

एक दिन मेरे घर में गैस सिलेंडर खत्म हो गया तो मैंने राजेश को बताया। तब राजेश शर्मा गैस सिलेंडर लेकर घर आया। इसके बाद हम दोनों में बातचीत शुरू हो गई। फरवरी 2025 में आरोपी महिला के घर खाने-पीने का समान चिप्स व कोलड ड्रिंक लेकर आया और कहा कि यह बच्चों के लिए लाया है। उस समय मेरा बेटा दिल्ली गया हुआ था। इस पर मैंने कोलड ड्रिंक पी ली। महिला ने आरोप लगाया- आरोपी कोलड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर लाया था। इसके कारण वह बेहोश हो गई। महिला ने बताया कि बेहोशी की दौक अगर यह बात किसी को बताई तो नौकरी नहीं करने दूंगा। मेरे भाई जज और आईजी है।

मासूम से रेप के आरोपी को जल्द सजा दिलाने की पुलिस कर रही है तैयारी

केस ऑफिसर स्कीम में लिया जाएगा मामला, सात दिन में चालान पेश करने का प्रयास

जोधपुर, (कासं)। बिलाड़ा थाना क्षेत्र में अबोध मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए पुलिस ने तैयारी शुरू की है। सभी तरह के साक्ष्य एकत्रित करने के साथ ही सात दिन में आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश करने की तैयारी है। साथ ही जल्द सजा के लिए मामले को केस ऑफिसर स्कीम में लिया जाएगा।

जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजेश मोघा ने बताया कि

■ **आरोपी को पाली से गिरफ्तार किया**

आरोपी साजिद को पाली से गिरफ्तार किया गया है। इस दरिंशी के लिए उसे जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए प्रयास शुरू किए गए हैं। उसके खिलाफ सभी तरह के साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। सात दिन के भीतर कोर्ट में उसके खिलाफ चालान पेश कर दिया जाएगा। केस ऑफिसर स्कीम में लेकर जांच व मॉनिटरिंग की जाएगी। कोर्ट में रोजाना

सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट से आग्रह किया जाएगा। साथ ही कोर्ट में स्पेशल ऑफिसर भी लगाया जाएगा। ताकि मामले को प्रतिदिन सुनवाई हो सके और जल्द ट्रायल पूरी करवाई जा सके। आरोपी को एक महीने या कम से कम समय में अधिक से अधिक सजा दिलाने के प्रयास किए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार तीन साल की बालिका बुधवार सुबह घर के बाहर खेल रही थी। तभी आरोपी साजिद पुत्र अली मोहम्मद वहां आया। उसने

बालिका को अकेले देखा तो नीयत खराब हो गई। वह उसे कुरकुरे व चॉकलेट दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया। वह बाइक पर उसे कस्बे के बाहर सुनसान जगह ले गया, जहां उसके साथ बलात्कार किया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन पीड़िता को सरकारी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उम्मेद अस्पताल रैफर किया गया। वारदात के बाद फरार आरोपी को पाली से पकड़ लिया गया।

नाबालिग से गैंगरेप

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट के जिला पूर्व में एक नाबालिग के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। बदमाशों ने नाबालिग के अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। जब पूरे मामले का पता पीड़िता के पिता को चला तो पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। फिलहाल

मामले का पता पीड़िता के पिता को चला तो थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है

पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़िता के पिता के मुताबिक घटना 20 जुलाई से 20 अक्टूबर के बीच की है। आरोप है कि कुछ युवकों ने उनकी नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप किया और उसका वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर लगातार शोषण करते रहे। पिता ने पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी मानसिक दबाव में थी और डर के कारण परिवार को यह बात नहीं बता पाई। जब घटना का पता चला तो परिवार ने पुलिस थाने पहुंचकर रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया कि आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बार-बार पीड़िता को परेशान और प्रताड़ित करते रहे। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने तनोट व लोंगेवाला के फॉरवर्ड इलाकों का दौरा किया



रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने प्रतिष्ठित लोंगेवाला युद्ध स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की

आतंकवादी सोच ज़िंदा है। उससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने प्रतिष्ठित लोंगेवाला युद्ध स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और भारतीय सेना के बहादुरों की श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री ने मेजर (बाद में ब्रिगेडियर) कुलदीपसिंह चांदपुरी की

बदमाशों ने टेप से मुंह बांधकर बुजुर्ग की हत्या की

पेस्टिसाइड छिड़क कर अन्य परिजनों को बेहोश किया

बीकानेर, (निसं)। यहां देर रात टेप से मुंह बांधकर बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। वहीं पेस्टिसाइड छिड़क कर अन्य परिजनों को बेहोश कर दिया। यही नहीं, बदमाश बाड़े में बंधी 30 से ज्यादा भेड़-बकरियां चोरी कर ले गए। घटना छत्तरगढ़ थाना इलाके की है।

थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि शुक्रवार सुबह छत्तरगढ़ कस्बे में धान मंडी के सामने बाड़े में उमरामा (70) का शव चारपाई पर पड़ा मिला। भेड़-बकरियां चोरी करने आए बदमाशों ने टेप से बुजुर्ग का मुंह बंद कर दिया था, जिससे वह सांस नहीं ले सके और उनकी मौत हो गई। बुजुर्ग से कुछ ही दूरी पर परिवार के अन्य सदस्य सो रहे थे। उन्हें पेस्टिसाइड छिड़क कर बेहोश कर दिया था। सुबह करीब आठ बजे जब उनकी होश आया तो उन्हें बुजुर्ग की मौत का पता चला।

- **बाड़े में बंधी 30 से ज्यादा भेड़-बकरियां चुरा ले गए**
- **सुबह करीब आठ बजे जब परिजनों को होश आया तो उन्हें बुजुर्ग की मौत का पता चला**
- **फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड भी मौके पर पहुंची**

फुटेज खंगाल रही है। लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही होगा। घर के बिल्कुल पास में ही बाड़ा बना हुआ है। बाड़े में 40 जानवर बंधे हुए थे, जिनमें 25 बकरी और 15 भेड़ थीं। घटना का पता उमराम के पोते राम को शुक्रवार सुबह कस्बे पहले चला। रोजाना वह सुबह करीब 6 से 6:30 बजे उठ जाता है, लेकिन आज सुबह वह 7:30 बजे के बाद में उठा। उसने सबसे पहले उठकर खाट पर दादा की मृत अवस्था में देखा। इसके बाद पास में सो रही दादी को उठाया। वहीं पास में उमरामा की बेटी और पोती भी सो रही थीं। इन लोगों को भी बाद में उठाया गया। इन सभी लोगों की आंख सुबह 7:30 बजे से पहले नहीं खुली थी। इन सभी को लग रहा था कि कुछ स्प्रे करके इनको बेहोश किया गया था।

सोनम वांगचुक से जुड़ा मामला नए मोड़ पर पहुंचा

जोधपुर, (कासं)। लेह-लद्दाख हिंसा मामले में गिरफ्तार समाजसेवी और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़ा मामला अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार किए गए वांगचुक इस समय जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं, जहां इस मामले की जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय न्यायिक आयोग ने अपनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आयोग ने शुक्रवार को जेल परिसर में सुनवाई की और सोनम वांगचुक के बयान दर्ज किए। बताया जा रहा है कि आयोग जल्द ही उनकी पत्नी के भी बयान दर्ज करेगा, जिन्होंने हाल ही में वांगचुक मामले को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इस जांच की अध्यक्षता जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और लेह-लद्दाख सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष एम.के. हंजुरा कर रहे हैं। उनके साथ लेह जिला न्यायाधीश मनोज पहिरार और कारगिल जिला न्यायाधीश स्पल जयेश अग्रवाल भी जांच प्रक्रिया में शामिल हैं। तीनों न्यायाधीश गुरुवार को जोधपुर पहुंचे और जेल प्रशासन के साथ सुरक्षा एवं प्रक्रिया संबंधी तैयारियों का जायजा लिया।

- **जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय न्यायिक आयोग ने कार्यवाही शुरू की, बयान दर्ज**
- **राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार वांगचुक इस समय जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं**

जोधपुर सेंट्रल जेल और पुलिस विभाग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं, ताकि जांच कार्यवाही के दौरान किसी भी प्रकार की अस्थिर स्थिति उत्पन्न न हो। आयोग की यह जांच कार्यवाही संवेदनशील मानी जा रही है, क्योंकि यह लेह-लद्दाख हिंसा की पृष्ठभूमि और सोनम वांगचुक की भूमिका पर कई अहम खुलासे कर सकती है। गौरतलब है कि वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद से ही लद्दाख और देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिनमें कई राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने उनकी रिहाई की मांग की थी।

राजस्थान सरकार

कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.

पता: मेन बस स्टैण्ड, सादड़ी

Ph-02934-285022 email: npsadr1979@yahoo.com, gmail.com

क्रमांक :- न.पा.सा. / 2025 / 3284-3286 दिनांक 14.10.2025

::: Notice Inviting Bid :::

Bid for subject matters of procurement are invited from intrested bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.raajasthan.gov.in, eproc.raajasthan.gov.in) of the state departmental website.

UBN NO :- DLB2526WSOB22076

राज.सं.बा.व / सी / 25 / 12568

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सादड़ी

कार्यालय नगर पालिका मावली, जिला उदयपुर (राज.)

Phone: 02955294135 Email : nagarpalikamadavli@gmail.com

क्रमांक :- न.पा.मा. / निर्माण / 2025-26 / 152 दिनांक :- 15.10.2025

ऑन लाईन निविदा सूचना नं. 4/2025-26

नगरपालिका मावली द्वारा कुल 19 कायों हेतु नगर निकाय में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं अन्य विभागों में 'ए' एवं 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युमेंट प्रक्रिया से वेबसाइट sppp.raajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा शर्त एवं निविदा प्रपत्र संवेदक sppp.raajasthan.gov.in & eproc.raajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेंगे। उक्त निविदा वेबसाइट sppp.raajasthan.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

UBN Code : DLB2526WSOB21992, 21994, 21996, 22005, 22008, 22013, 21890, 21891, 21892, 22020, 21893, 21894, 21896, 21897, 21898, 22029, 22032 है।

राज.सं.बा.व / सी / 25 / 12570

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, मावली

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, नर्मदा नहर परियोजना खण्ड प्रथम सांचौर

क्रमांक/लेखा/निविदा/2025-26/राजकाज दिनांक यथा ईहस्ताक्षर

अल्पकालिन ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिये अधीहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राज्य सरकार के संशोधित आदेशों के अनुसार नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से निविदा आमन्त्रित की जाती है निविदा में वर्णित 04 कार्य हेतु निविदा ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो या के.तो. नि.वि. ए डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारों / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों / संगठनों के पास सूचिवद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समुत्पन्न हो, भी कार्य के लिए निविदा हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। निविदा प्रपत्र दिनांक 24.10.2025 प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 30.10.2025 सांय 06.00 बजे तक ऑनलाइन अपलोड किये जा सकेंगे।

निविदा दिनांक 31.10.2025 को सांय 3 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यों की अनुमानित लागत, धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फिस व कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा अन्य शर्तें <https://sppp.raajasthan.gov.in> पर देखें।

NIB code:- WRD2526A0480

UBIN No- 1. WRD2526WSOB01313, 2. WRD2526WSOB01314

3. WRD2526WSOB01315, 4. WRD2526WSOB01316

अधिशाषी अभियन्ता नर्मदा नहर परियोजना खण्ड प्रथम सांचौर

DIPR/C/15634/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, नर्मदा नहर परियोजना खण्ड द्वितीय सांचौर

क्रमांक / लेखा/निविदा/2025-26/ राजकाज दिनांक यथा ईहस्ताक्षर

अल्पकालिन ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिये अधीहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राज्य सरकार के संशोधित आदेशों के अनुसार नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से निविदा आमन्त्रित की जाती है निविदा में वर्णित 16 कार्य हेतु निविदा ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो या के.तो. नि.वि. ए डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारों / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों / संगठनों के पास सूचिवद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समुत्पन्न हो, भी कार्य के लिए निविदा हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। निविदा प्रपत्र दिनांक 24.10.2025 प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 30.10.2025 सांय 06.00 बजे तक ऑनलाइन अपलोड किये जा सकेंगे।

निविदा दिनांक 31.10.2025 को सांय 3 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यों की अनुमानित लागत, धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फिस व कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा अन्य शर्तें <https://sppp.raajasthan.gov.in> पर देखें।

NIB code:- WRD2526A0481

UBIN No- WRD2526WSOB01317, WRD2526WSOB01318, WRD2526WSOB01319

WRD2526WSOB01320, WRD2526WSOB01321, WRD2526WSOB01322

WRD2526WSOB01323, WRD2526WSOB01324, WRD2526WSOB01325

WRD2526WSOB01326, WRD2526WSOB01327, WRD2526WSOB01328

WRD2526WSOB01329, WRD2526WSOB01330, WRD2526WSOB01331

WRD2526WSOB01332

अधिशाषी अभियन्ता नर्मदा नहर परियोजना खण्ड द्वितीय सांचौर

DIPR/C/15635/2025

BARMER LIGNITE MINING COMPANY LIMITED

Office No. 263, 7th Floor, Man Upasna Plaza, C-46, Sardar Patel Marg, C-Scheme, Jaipur-302001

TENDER No. :- BLMCL/MD/JP/2025-26/051 Dated :- 24/10/2025

E- NOTICE INVITING TENDER

Electronic bids are invited for Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Shifting and Relocation of Lignite Handling System of Kapurdi Lignite Mine of BLMCL, District – Barmer, Rajasthan through e-procurement portal of Government of Rajasthan.

The tender document with detailed conditions can be obtained through the web site <https://eproc.raajasthan.gov.in> and should only be submitted in electronic form through e-procurement portal. Manual offer bids for these tenders will not be accepted under any circumstances, otherwise than those required as per the tender document.

1. Name of Work	Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Shifting and Relocation of Lignite Handling System of Kapurdi Lignite Mine of BLMCL, District – Barmer, Rajasthan
2. Time Period	03 months
3. Cost of tender document	Rs.590/- (Rs. 500 plus 18% GST) Non-Refundable, payable in Demand Draft in favour of "Barmer Lignite Mining Company Limited" Jaipur
4. Processing Fees	Rs 500/- payable by Demand Draft in favour of MD RSL, payable at Jaipur
5. Earnest Money Deposit	Rs. 70,000
6. Date of Issue/Upload Tender	24.10.2025
7. Date of Receipt of Tender	17.11.2025 upto 3:30 PM
8. Date of Tender Opening	18.11.2025 at 3:00 PM
9. Website	https://eproc.raajasthan.gov.in

The detailed tender document will also be available on the website of Rajasthan State Public Procurement Portal www.sppp.raajasthan.gov.in and also on the Company's website www.blmcl.in.

For submission of e-tender, bidders are requested to get themselves registered with <https://eproc.raajasthan.gov.in> website along with Class III Digital Signature Certificate (DSC) issued by authorized agency under IT Act 2003. Further clarifications/corrigendum in this regard, if any, will be uploaded only on Government of Rajasthan's portal / BLMCL's website.

Raj.Samwad/C/25/12553

AVP (Operations)

